अलीराजपुर के प्रवासी मजदूरों का प्राथमिक सर्वेक्षण

मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले से पलायन कर दूसरे जिलों या राज्यों में प्रवासी मजदूरी के लिए जा रहे जनजातीय नागरिकों की पारिवारिक एवं प्रवास संबंधित विशेषताओं की जानकारी प्राप्त करने हेतु एक प्रश्नावली सर्वेक्षण किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण के तहत सन 2008 से प्रारम्भ कर तीन वर्षों में जिले के कुल 7500 परिवारों का सर्वेक्षण करना है। फिलहाल अलीराजपुर तहसील के 2528 परिवारों का सर्वेक्षण किया जा चुका है। वर्तमान प्रतिवेदन में इन परिवारों से प्राप्त जानकारी का प्राथमिक विश्लेषण प्रस्तुत किया जा रहा है। सभी 7500 परिवारों को सर्वेक्षण हो जाने पर विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया जाएगा।

1. शोधविधि

वर्तमान में अलीराजपुर जिले के अलीराजपुर तहसील के तीन विकास खण्डों में यह सर्वेक्षण किया गया है जहां से गुजरात की ओर पलायन अधिक है। यह विकास खण्ड है सोण्डवा, अलीराजपुर एवं कट्ठीवाड़ा। बाद में भाभरा तहसील एवं जोबट तहसील के जोबट एवं उदयगढ़ विकास खण्डों में भी सर्वेक्षण किया जाएगा। जिन गांवों को सर्वेक्षण के लिए चुना गया है उनमें सभी परिवारों का सर्वेक्षण किया जा रहा है ताकि कुल जनसंख्या में से कितने लोग पलायन कर रहे है इसका पता लग सके। सर्वेक्षण हेतु प्रयोग किए गए प्रश्नावली प्रतिवेदन के अंत में संलग्न है। वर्तमान में कुल पंद्रह गांवों के 2528 परिवारों का संरक्षण किया गया है जिनका विवरण सारणी 1 में दर्शाया गया है। यद्यपि वर्तमान में सोण्डवा विकास खण्ड से तीन गांव अधिक सर्वेक्षित हुआ है अंततः सभी विकास खण्डों से समान रूप से सर्वेक्षण किया जाएगा। सर्वेक्षण के कार्य में क्षेत्र के शिक्षित आदिवासी युवकों को नियुक्त किया गया है ताकि वे इस प्रक्रिया में कुशलता प्राप्त कर सके एवं यही कारण है कि तीनों विकास खण्डों के बीच गांवों एवं जनसंख्या का वितरण समान रूप से हो नहीं पाया है। परंतु यह ध्यान जरूर रखा गया है कि छोटे–बड़े सभी प्रकार के गांव का सर्वेक्षण हो।

सारणी 1 : विकास खण्ड व ग्राम अनुसार सर्वेक्षित परिवारों का वितरण – कुल परिवार संख्या 2528

सोण्डवा								
	बड़ी हथवी	सेमलानी	वाकनेर	जेतपुर	देलवानी	दलखली	बुरगांव	**कुल**
संख्या	92	229	117	159	182	394	206	**1379**
प्रतिशत	3.60	9.10	4.60	6.30	7.20	15.60	8.10	**54.50**
कट्ठीवाड़ा								
	दरखड़	ध्याना	भोलवट	घोड़ियादरा				**कुल**
संख्या	284	119	91	94				**588**
प्रतिशत	11.20	4.70	3.60	3.70				**23.30**
अलीराजपुर								
	बल्दला	कसलवाय	पूजारा चौकी	सूखी वावड़ी				**कुल**
संख्या	171	80	124	186				**561**
प्रतिशत	6.80	3.20	4.90	7.40				**22.20**

2. सर्वेक्षित नागरिकों की पारिवारिक विशेषताएं

2.1 परिवारों का जाति अनुसार वितरण सारणी 2 में दर्शाया गया है। अधिकतर 85.4 प्रतिशत परिवार भीलाला जनजाति के है जबकि भील जनजाति के परिवार 10.8 प्रतिशत है। नायक परिवार केवल 0.8 प्रतिशत है एवं इन्हें अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त है।

सारणी 2 : परिवारों का जातिगत वितरण

	संख्या	प्रतिशत
भील	273	10.80
भीलाला	2159	85.40
मानकर	76	3.00
नायक	20	0.80
कुल	2528	100.00

2.2 कुल जनसंख्या अनुसार परिवारों का वितरण सारणी 3 में दर्शाया गया है। सबसे अधिक 21.84 प्रतिशत परिवार 6 सदस्यों की है एवं 4 व इससे कम सदस्यों वाले परिवारों का अनुपात केवल 19.63 प्रतिशत है। प्रति परिवार औसत जनसंख्या 6.57 है। इस प्रकार परिवारों में सदस्य संख्या ज्यादा है।

सारणी 3 : कुल जनसंख्या अनुसार परिवारों का वितरण

कुल जनसंख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
1	8	0.32
2	95	3.76
3	119	4.71
4	274	10.84
5	427	16.89
6	552	21.84
7	313	12.38
8	245	9.69
9	182	7.20
10	98	3.88
11	82	3.24
12	33	1.31
13	36	1.42
14	30	1.19
15	16	0.63
16	7	0.28
17	2	0.08
18	2	0.08
19	5	0.20
20	2	0.08
कुल	2528	100.00

2.3 लिंग एवं आयु अनुसार जनसंख्या का वितरण सारणी 4 में दर्शाया गया है। कुल लिंग अनुपात महिलाओं के पक्ष में है जो सराहनीय है एवं वयस्कों का अनुपात कुल जनसंख्या में 51.19 प्रतिशत है जबकि बालक बालिकाओं का अनुपात 34.33 प्रतिशत है। यहां 18 वर्ष से अधिक आयु वालों को वयस्क माना गया है, 13 से 17 वर्ष के आयु वालों को किशोर या किशोरी माना गया है एवं 2 से लेकर 12 साल के आयु वालों को बालक या बालिका माना गया है। **एकल परिवारों का अनुपात 52 प्रतिशत है यानी कुल परिवारों के लगभग आधे संयुक्त परिवार है।**

सारणी 4 : लिंग व आयु अनुसार जनसंख्या का वितरण

	संख्या	प्रतिशत
वयस्क पुरुष	4230	25.45
वयस्क महिला	4279	25.74
किशोर	934	5.61
किशोरी	1012	6.09
बालक	2881	17.33
बालिका	2826	17.00
पु शिशु	233	1.40
म शिशु	226	1.36
कुल पुरुष	8278	49.80
कुल महिला	8343	50.20
कुल	16621	100.00

2.4 साक्षरता दर – सभी आयु वर्गो को मिलाकर कुल साक्षर पुरुषों का अनुपात 20.93 प्रतिशत है एवं कुल साक्षर महिलाओं का अनुपात 14.08 है। कुल 55 प्रतिशत परिवार ऐसे है जिनमें एक भी सदस्य साक्षर नहीं है यानी इन परिवारों के बाल एवं किशोर वर्ग के सदस्य भी बड़ी मात्रा में शिक्षा ग्रहण नहीं कर रहे है।

3. सर्वेक्षित नागरिकों के प्रवासी मजदूरी की विशेषताएं

कुल परिवारों में से प्रवासी मजदूरी पर कम से कम एक बार जाने वाले परिवारों का अनुपात 85.2 प्रतिशत है जो कि बहुत अधिक है। औसतन प्रति परिवार दो व्यक्ति प्रवास पर जाते है।

3.1 परिवार में वयस्क पुरुष प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण सारणी 5 में दर्शाया गया है। परिवार में से केवल एक ही वयस्क पुरुष प्रवास में जा रहा है ऐसे परिवारों का अनुपात सबसे ज्यादा 57.08 प्रतिशत है। जिन परिवारों से एक भी वयस्क पुरुष प्रवास पर नही जाते है उनका अनुपात 28.44 प्रतिशत है जो कि बिल्कुल प्रवास पर नहीं जाने वाले परिवारों के अनुपात 14.8 से अधिक है। अतः 13. 64 प्रतिशत परिवार ऐसे है जहां वयस्क पुरुषों के अलावा दूसरे सदस्य प्रवास पर जाते है।

सारणी 5 : परिवार में वयस्क पुरुष प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण

वयस्क पुरुष प्रवासियों की संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	719	28.44
1	1443	57.08
2	304	12.03
3	49	1.94
4	13	0.51
कुल	2528	100.00

3.2 परिवार में वयस्क महिला प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण सारणी 6 में दर्शाया गया है। परिवार में से केवल एक ही वयस्क महिला प्रवास पर जा रही है ऐसे परिवारों का अनुपात सबसे ज्यादा 40.86 प्रतिशत है। जिन परिवारों से एक भी वयस्क महिला प्रवास पर जा नहीं रहीं है ऐसे परिवारों का अनुपात 40.86 प्रतिशत है।

सारणी 6 : परिवार में वयस्क महिला प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण

वयस्क महिला प्रवासियों की संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	1266	50.08
1	1033	40.86
2	179	7.08
3	40	1.58
4	9	0.36
5	1	0.04
कुल	2528	100.00

3.3 परिवार में किशोर प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण सारणी 7 में दर्शाया गया है। एक बार फिर परिवार में से केवल एक ही किशोर प्रवास पर जा रहा है ऐसे परिवारों का अनुपात सबसे अधिक है। परंतु कुल किशोर प्रवासियों का अनुपात बहुत कम केवल 12.27 प्रतिशत है क्योंकि कुल जनसंख्या में किशोरो का अनुपात कम है।

सारणी 7 : परिवार में किशोर प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण

किशोर प्रवासियों की संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	2218	87.73
1	255	10.09
2	53	2.10
3	1	0.04
4	1	0.04
कुल	2528	100.00

3.4 परिवार में किशोरी प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण सारणी 8 में दर्शाया गया है। किशोरों के जैसे ही किशोरी प्रवासियों की संख्या भी कम है।

किशोरी प्रवासियों की संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	2247	88.88
1	237	9.38
2	42	1.66
3	2	0.08
कुल	2528	100.00

3.5 परिवार में बालक प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण सारणी 9 में दर्शाया गया है। कुल बालक प्रवासी वाले परिवारों का अनुपात केवल 4.43 है जो तुलनात्मक रूप से सराहनीय है।

सारणी 9 : परिवार में बालक प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण

बालक प्रवासियो की संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	2416	95.57
1	109	4.31
2	3	0.12
कुल	2528	100.00

3.6 परिवार में बालिका प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण सारणी 10 में दर्शाया गया है। कुल बालिका प्रवासी वाले परिवारों का अनुपात केवल 3.96 है जो तुलनात्मक रूप से सराहनीय है।

सारणी 10 : परिवार में बालिका प्रवासी मजदूरों की संख्या अनुसार वितरण

बालिका प्रवासियों की संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	2428	96.04
1	95	3.76
2	5	0.20
कुल	2528	100.00

3.7 लिंग व आयु अनुसार जनसंख्या का वितरण सारणी 11 में दर्शाया गया है। कुल जनसंख्या में प्रवासी मजदूरों का अनुपात 33.7 प्रतिशत है। कुल पुरुषों में से प्रवासियों का अनुपात 38.62 है जबकि कुल महिलाओं में से प्रवासियों का अनुपात 27.76 प्रतिशत है। कुल वयस्क पुरुषों में प्रवासियों का अनुपात सबसे अधिक 53.19 है। 36.27 प्रतिशत वयस्क महिलाएं, 39.4 प्रतिशत किशोर एवं 32.31 प्रतिशत किशोरी व यहां तक कि करीब 4 प्रतिशत बालक व बालिकाएं भी प्रवासी मजदूरी करते है। इससे स्पष्ट हो जाता है कि परिवारों की प्रवासी मजदूरी पर निर्भरता कितनी गम्भीर है।

सारणी 11 : लिंग व आयु अनुसार प्रवासी जनसंख्या का वितरण

	संख्या	प्रतिशत
वयस्क पुरुष	2250	53.19
वयस्क महिला	1552	36.27
किशोर	368	39.40
किशोरी	327	32.31
बालक	115	3.99
बालिका	105	3.72
कुल पुरुष	**2733**	**38.62**
कुल महिला	**1984**	**27.76**
कुल	**4717**	**33.70**

3.8 परिवार में आप्रवासियों का अनुपात अनुसार वितरण सारणी 12 में दर्शाया गया है। 30 से 40 प्रतिशत प्रवासी मजदूर वाले परिवारों का अनुपात सबसे अधिक 20.92 प्रतिशत है। 30 प्रतिशत या उससे अधिक अनुपात में प्रवासी वाले परिवारों का अनुपात 43.97 प्रतिशत है। यह आंकड़ा भी आजीविका के लिए परिवारों की प्रवासी मजदूरी पर अधिक निर्भरता को स्पष्ट करता है। एक प्रकार से प्रवासी मजदूरी के बिना ज्यादातर परिवारों का गुजारा ही नहीं हो सकता है। यह उल्लेखनीय है कि सौ परिवार ऐसे भी है जिनमें सभी सदस्य प्रवास पर जाते है।

सारणी 12 : परिवार में आप्रवासियों का अनुपात अनुसार वितरण

परिवार में प्रवासियों का अनुपात	संख्या	प्रतिशत
0	374	14.79
≤ 10.0	47	1.86
10.1 - 20.0	524	20.72
20.1 - 30.0	420	16.61
30.1 - 40.0	529	20.92
40.1 - 50.0	311	12.30
50.1 - 60.0	89	3.52
60.1 - 70.0	94	3.71
70.1 - 80.0	32	1.26
80.1 - 90.0	8	0.31
90.1 - 100	100	3.95
कुल	2528	100.00

3.9 परिवार के सदस्यों द्वारा वर्ष में कितने बार प्रवास किया गया है उसके अनुसार वितरण सारणी 13 में दर्शाया गया है। केवल एक ही बार प्रवास में जाने वाले परिवारों का अनुपात सबसे अधिक 59.49 है। जबकि दो बार प्रवास पर जाने वाले परिवारों का अनुपात 20.93 है एवं तीन बार प्रवास पर जाने वाले परिवारों का अनुपात 4.79 है।

सारणी 13 : परिवार के सदस्यों द्वारा वर्ष में कितने बार प्रवास किया गया है उसके अनुसार वितरण

वर्ष के दौरान किए गए प्रवास संख्या	परिवार संख्या	प्रतिशत
0	374	14.79
1	1504	59.49
2	529	20.93
3	121	4.79
कुल	2528	100.00

3.10 प्रवास की बारी अनुसार प्रवास के मौसम का वितरण सारणी 14 में दर्शाया गया है। सबसे अधिक प्रवास ठंड के मौसम में होता है यानी अकटूबर से फरवरी माह के बीच में। सभी बारियों को मिलाकर करीब 70 प्रतिशत परिवार इसी मौसम में प्रवास पर जाते है क्योंकि अलीराजपुर के ज्यादातर खेत एक फसली होने के कारण इस समय अधिकतर लोग तुलनात्मक रूप से फुरसत में होते है। करीब 2 प्रतिशत परिवार भागीदार बनकर एक साल या ज्यादा समय के लिए प्रवास पर चले गए है।

सारणी 14 : प्रवास की बारी अनुसार प्रवास के मौसम का वितरण

	पहली बारी		दूसरी बारी		तीसरी बारी	
मौसम	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
बरसात	137	6.36	66	9.88	25	18.94
गरमी	353	16.39	120	17.96	13	9.85
ठंड	1621	75.26	482	72.16	91	68.94
साल भर	43	2.00	0	0.00	3	2.27
कुल	2154	100	668	100	132	100

3.11 प्रवास की बारी अनुसार प्रवास की समयावधि का वितरण सारणी 15 में दर्शाया गया है। विश्लेषण के सुविधा हेतु आधे महीने के समय अंतराल को लिया गया है एवं इससे कम या ज्यादा अवधि को राउंड ऑफ किया गया है। तीनों बारियों को मिलाकर करीब 60 प्रतिशत परिवार तीन महीने या उससे अधिक समय के लिए प्रवास किए है जिससे एक बार फिर स्पष्ट होता है कि प्रवासी मजदूरी अलीराजपुर के आदिवासियों के आजीविका के लिए कितना महत्वपूर्ण है। एक तरह से ठंड के मौसम में गांव वीरान जैसा ही हो जाता है क्योंकि ज्यादातर परिवारों से लोग लम्बे समय के लिए प्रवास पर गए होते है।

सारणी 15 : प्रवास की बारी अनुसार प्रवास की समयावधि का वितरण

समयावधि महीने में	पहली बारी		दूसरी बारी		तीसरी बारी	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
0.5	213	9.89	39	5.84	21	15.91
1	280	13.00	154	23.05	41	31.06
1.5	36	1.67	57	8.53	30	22.73
2	419	19.45	219	32.78	21	15.91
2.5	12	0.56	12	1.80	0	0.00
3	468	21.73	100	14.97	12	9.09
3.5	5	0.23	11	1.65	0	0.00
4	179	8.31	27	4.04	0	0.00
4.5	2	0.09	0	0.00	0	0.00
5	235	10.91	18	2.69	2	1.52
5.5	9	0.42	0	0.00	0	0.00
6	231	10.72	11	1.65	1	0.76
6.5	6	0.28	0	0.00	0	0.00
7	7	0.32	4	0.60	0	0.00
8	8	0.37	6	0.90	1	0.76
9	1	0.05	5	0.75	1	0.76
≥12	43	2.00	5	0.75	2	1.52
कुल	2154	100.00	668	100.00	132	100.00

3.12 प्रवास की बारी अनुसार प्रवास का स्थल का वितरण सारणी 16 में दर्शाया गया है। सबसे अधिक प्रवास सूरत जिला एवं उसका एक शहर नसवारी के लिए हुआ है जहां कुल परिवारों का करीब 45 प्रतिशत गए है। इसके अलावा गुजरात के दस और जिलों में भी लोग प्रवास किए है जिनमें जुनागढ़ जैसे दूर दराज क्षेत्र भी शामिल है। लगभग 85 प्रतिशत परिवार गुजरात में प्रवास किए है जबकि केवल 1.5 प्रतिशत परिवार महाराष्ट्र एवं 13.5 प्रतिशत मध्य प्रदेश के अन्य जिलों में प्रवास किए है। मध्य प्रदेश में अधिकतम 12 प्रतिशत परिवार पड़ौस के धार जिले में प्रवास किए है।

सारणी 16 : प्रवास की बारी अनुसार प्रवास का स्थल का वितरण

	पहली बारी		दूसरी बारी		तीसरी बारी	
स्थल	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
अहमदावाद	13	0.60	11	1.65	31	23.48
बड़ोदा	129	5.99	45	6.74	2	1.52
बडवानी	7	0.32	4	0.60	2	1.52
भरूच	5	0.23	2	0.30	0	0.00

	पहली बारी		दूसरी बारी		तीसरी बारी	
स्थल	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
इंदौर	109	5.06	26	3.89	4	3.03
भावनगर	26	1.21	0	0.00	0	0.00
जामनगर	30	1.39	11	1.65	10	7.58
धार	258	11.98	69	10.33	16	12.12
जुनागढ़	51	2.37	0	0.00	0	0.00
खरगौन	8	0.37	12	1.80	13	9.85
कठीयावाड़	192	8.91	109	16.32	0	0.00
महाराष्ट्र	33	1.53	4	0.60	4	3.03
मोरबी	40	1.86	49	7.34	0	0.00
नवसारी	472	21.91	39	5.84	5	3.79
पोरबंदर	187	8.68	54	8.08	5	3.79
रतलाम	12	0.56	5	0.75	5	3.79
राजकोट	42	1.95	7	1.05	0	0.00
सुरत	521	24.19	219	32.78	35	26.52
सिलवास्सा	19	0.88	2	0.30	0	0.00
कुल	2154	100.00	668	100.00	132	100.00

3.13 प्रवास की बारी अनुसार प्रवास में किए गए कार्य का वितरण सारणी 17 में दर्शाया गया है। कुल मिलाकर 55 प्रतिशत परिवार कृषि कार्य के लिए ही प्रवास करते है जबकि 42 प्रतिशत परिवार निर्माण मजदूर का काम करते है। प्रवास के दौरान कारखाना में या जुड़ाई मिस्त्री जैसा कुशल कार्य करने वाले परिवार केवल 2.5 प्रतिशत ही है।

सारणी 17 : प्रवास की बारी अनुसार प्रवास में किए गए कार्य का वितरण

	पहली बारी		दूसरी बारी		तीसरी बारी	
कार्य	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
कृषि कार्य	1130	52.46	441	66.02	99	75.00
निर्माण कार्य	899	41.74	178	26.65	10	7.58
जुड़ाई मिस्त्री	15	0.70	2	0.30	0	0.00
कारखाना	47	2.18	16	2.40	13	9.85
हम्माली	37	1.72	18	2.69	7	5.30
गुड़ निर्माण	26	1.21	13	1.95	3	2.27
कुल	2154	100.00	668	100.00	132	100.00

3.14 प्रवास की बारी अनुसार प्रवास में प्राप्त मजदूरी का वितरण सारणी 18 में दर्शाया गया है। लगभग 55 प्रतिशत लोगों को 100 रु या उससे कम दैनिक मजदूरी प्राप्त है। परंतु क्योंकि अलीराजपुर में काम की कमी है एवं रोजगार गारंटी योजना में भी गत वर्ष 60 रु ही मिले थे एवं वह भी बहुत देरी से इसलिए लोग प्रवास पर जाने को मजबूर है। उल्लेखनीय है कि अनुपात में कम ही सही पर कुछ लोगों को 50 रु या उससे कम भी मजदूरी मिली है एवं इनका अनुपात 150 रु से अधिक मजदूरी पानेवालों से तीन गुना है।

सारणी 18 : प्रवास की बारी अनुसार प्रवास में प्राप्त मजदूरी का वितरण

मजदूरी रुपए में	पहली बारी		दूसरी बारी		तीसरी बारी	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
≤ 50	89	4.13	28	4.19	5	3.79
51 - 75	218	10.12	97	14.52	32	24.24
76 - 100	1189	55.20	417	62.43	69	52.27
101 - 125	334	15.51	75	11.23	14	10.61
126 - 150	297	13.79	39	5.84	11	8.33
151 - 200	16	0.74	7	1.05	1	0.76
201 - 250	8	0.37	5	0.75	0	0.00
251 - 300	3	0.14	0	0.00	0	0.00
कुल	2154	100.00	668	100.00	132	100.00

3.15 प्रवास का स्थान एवं कार्य अनुसार प्रवास में प्राप्त औसत दैनिक मजदूरी का वितरण सारणी 19 में दर्शाया गया है। सबसे अधिक मजदूरी सुरत एवं नवसारी में मिलती है एवं यह ही कारण है कि अधिकतर लोग इन जगहों पर प्रवास करना पसंद करते है। कृषि कार्य में मजदूरी निर्माण कार्य या हम्माली से कम है पर इसमें मेहनत भी तुलनात्मक रूप से कम है। आम तौर पर गुजरात में मध्य प्रदेश से अधिक मजदूरी मिलती है। हालांकि यह लोग लम्बी अवधियों के लिए प्रवास करते है परंतु इन्हें हर रोज काम नहीं मिल पाता है इसलिए कुल कमाई अनिश्चित रहती है।

सारणी 19 : प्रवास का स्थान एवं कार्य अनुसार प्रवास में प्राप्त औसत दैनिक मजदूरी का वितरण

स्थल	कार्य					
	कृषि कार्य	निर्माण कार्य	जुड़ाई मिस्त्री	कारखाना	हम्माली	गुड़ निर्माण
अहमदावाद	60				100	
बड़ोदा	80	110	140		150	
बडवानी	80			100		
भरूच		100				

स्थल	कार्य					
	कृषि कार्य	निर्माण कार्य	जुड़ाई मिस्त्री	कारखाना	हम्माली	गुड़ निर्माण
इंदौर		120	150	100	150	
भावनगर	80	100				
जामनगर	80					
धार	100	120		100	130	
जुनागढ़	90					
खरगौन	90	110				
कठीयावाड़	110					110
महाराष्ट्र	70					100
मोरबी	100					100
नवसारी		130	200			
पोरबंदर	90					
रतलाम	80					
राजकोट	90					
सुरत	120	120	250	140	120	
सिलवास्सा		120		150	140	

4. कठिनाईयां

समयाभाव के कारण कठिनाईयों के बारे में हर सर्वेक्षित परिवार से विस्तृत जानकारी नहीं एकत्रित हो पाई है और इसलिए इसका सांख्यिकी विश्लेषण नहीं हो सकता है। पर सरसरी तौर पर निम्न बातें उभर कर आई है –

1. प्रवासियों को किसी भी प्रकार की कानूनी जानकारी नहीं है एवं इस वजह से श्रमिक एवं प्रवासियों के लिए उपलब्ध सारी सरकारी सुविधाओं एवं कानूनी संरक्षण से यह वंचित है। कई बार इन्हें करार किया गया मजदूरी के अनुसार किया गया काम के लिए भुगतान नहीं हो पाता है। इसके अलावा इन्हें पुलिस एवं अन्य सरकारी कर्मचारियों द्वारा परेशान किया जाता है। कई बार झूठे अपराधिक प्रकरण भी इनके विरुद्ध दर्ज कर दिए जाते है।
2. निवास के लिए इन्हें मकान उपलब्ध नहीं होता है इसलिए इन्हें कार्यस्थल पर ही जैसे तैसे रहना पड़ता है। शहरों में काम करने वालों को इंधन, पीने का पानी एवं शौच को लेकर बहुत समस्याएं होती है।
3. महिलाओं का दैहिक शोषण के मामले अकसर घटित होते है पर इसके खिलाफ कार्यवाही नहीं हो पाती है।
4. स्वास्थ्य खराब होने पर इन्हें वापस अलीराजपुर लौटकर आना पड़ता है क्योंकि गुजरात में इलाज नहीं हो पाता है।

5. निष्कर्ष

सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी का इस त्वरित विश्लेषण से निम्नलिखित महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्राप्त होते है –

1. प्रवासी मजदूर अधिकतर आदिवासी है एवं भीलाला आदिवासियों का अनुपात सबसे अधिक 85.4 है। दलित नायक जाति का अनुपात मात्र 0.8 प्रतिशत है।

2. परिवारों की औसत सदस्य संख्या 6.57 है जो कि अधिक है एवं आजीविका के संसाधन इस तुलना में कम है। यह ही एक प्रमुख कारण है कि इन्हें प्रवासी मजदूरी पर जाना पड़ता है।

3. लिंग अनुपात महिलाओं के पक्ष में है एवं एकल परिवारों का अनुपात 52 प्रतिशत है।

4. पुरुष साक्षरता दर 20.93 है जबकि महिला साक्षरता दर 14.08 है। कुल 55 प्रतिशत परिवार ऐसे है जिनमें एक भी व्यक्ति साक्षर नहीं है। इस प्रकार साक्षरता की स्थिति चिंताजनक है। अधिकतर लोग कृषि एवं अकुशल मजदूरी के अलावा और कुछ कर नहीं पाते।

5. कुल परिवारों में से प्रवासी मजदूरी पर जानेवाले परिवारों का अनुपात 85.2 प्रतिशत है। वयस्क पुरुषों में से 53.19 प्रतिशत, वयस्क महिलाओं में से 36.27 प्रतिशत, किशोरों में से 39.40 प्रतिशत, किशोरियों में से 32.31 प्रतिशत, बालकों में से 3.99 प्रतिशत एवं बालिकाओं में से 3.72 प्रतिशत प्रवासी मजदूरी पर जाते है। औसतन एक परिवार से दो व्यक्ति प्रवास पर जाते है। परिवार में से 30 या उससे अधिक प्रतिशत सदस्य प्रवास पर जाने वाले परिवारों का अनुपात 43.97 प्रतिशत है। इसी से आजीविका के लिए प्रवासी मजदूरी का महत्व स्पष्ट हो जाता है।

6. 59.49 प्रतिशत परिवार वर्ष में एक ही बार प्रवास करते है एवं 60 प्रतिशत परिवार तीन महीने या उससे अधिक अवधि के लिए प्रवास करते है। लगभग 70 प्रतिशत परिवार ठंक के मौसम में अकटूबर से फरवरी माह में प्रवास करते है। 20.93 प्रतिशत परिवार वर्ष में दो बार प्रवास करते है एवं 4.79 प्रतिशत परिवार वर्ष में तीन बार प्रवास करते है।

7. सबसे अधिक 45 प्रतिशत परिवार सुरत जिले में प्रवास करते है जबकि कुल मिलाकर गुजरात के 11 जिलों में 85 प्रतिशत परिवार प्रवास करते है। मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 12 प्रतिशत लोग पड़ौस के धार जिले में प्रवास करते है।

8. 55 प्रतिशत परिवार कृषि कार्य के लिए प्रवास करते है जबकि 42 प्रतिशत परिवार निर्माण कार्य के लिए जाते है। औसतन 55 प्रतिशत परिवार 100 रु या उससे कम दैनिक मजदूरी प्राप्त करते है। कृषि कार्य में निर्माण कार्य से कम मजदूरी प्राप्त होती है। सबसे अधिक मजदूरी सुरत जिले में प्राप्त होती है जहां कृषि कार्य एवं निर्माण कार्य दोनों में ही औसत दैनिक मजदूरी 120 रु है।

उल्लेखनीय है कि इस व्यापक पैमाने पर प्रवासी मजदूरी होने पर भी शासन की ओर से इनके लिए कोई नीतिगत या कानूनी संरक्षण प्रदान नहीं किया जा रहा है। न ही राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना को सही ढंग से लागू किया जा रहा है ताकि लोगों को प्रवास पर जाना नहीं पड़े।